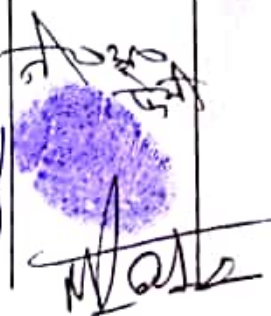


न्यायालय उपखंड अधिकारी
पदेन सहायक कमिश्नर
करेड़ा (भीलवाड़ा)

फर्द अहकाम
(नियम 26)

ज अदालत _____ मुकाम _____
बनाम मोहन
केसम मुकदमा वा 136 नं. 136 सन 2013

110/17 करेड़ा

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
24.5.17	<p>पत्रावली नं. शिपपुर आगामी दिनांक 10.11.17 को पेश हो</p>	
16/11/18	<p>उपखण्ड अधिकारी करेड़ा (भीलवाड़ा)</p> <p>पत्रावली नं. 16/11/18 को पेश हो। कारी के अन्वेषण उपस्थित/उत्पत्ती की ओर से उचित पर भ्रम-विरोधी त्रिकारी उपस्थित। पत्रावली नं. 16/11/18 को पेश हो।</p>	
21/5/18	<p>उपखण्ड अधिकारी करेड़ा</p> <p>उपखण्ड अधिकारी करेड़ा</p>	
11.6.18	<p>पत्रावली आज दिनांक 11.6.18 को मुमान शिपपुर लोक अदालत शिपपुर में पेश की। वादीगण एवं प्रतिवादी पक्ष उपस्थित आदि।</p>	

तारीख हुसम	न्यायालय उपखंड अधिकारी पदेन सहायक हुसम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज हुसम (पीलवादा)	नम्बर अदालत हुसम की म. ज.
लाडु कुमारी मौजूमदार	<p> प्रकरण के तहत इस प्रकार है कि गज शिवपुर तहसील करेट सिपल आरपी नं. 4256/3038 रकबा 2.00 की छ जो वर्तमान जमा कंठी में वादीगणों के पक्ष में खालेदारी एक से दर्ज है है। परन्तु रजिशा वश प्रतिवादी संख्या मौजूमदार 01 मोहन गुजरि वादीगणों की खालेदारी ग्रामि में अनाधिकृत रूप से आर्य कि देखलंदाजी उत्पन्न करता है तथा उपरोक्त वादग्रस्त 2.00 की छ ग्रामि के शांतिपूर्वक उपयोग एवं उपभोग करने में वादी गणों को नाप्रायज परेशान करके रूकावट एवं बाधा डालता है। बिपक्षी संख्या 01 द्वारा निवेदन किया है कि उसके द्वारा वादीगणों के पिता/पति प्रताप जी गुजरि से वादग्रस्त आरपी नं. 4256/3038 क्रम की गई थी। जिसका एक स्मरार नामा दिनांक 02.10.1993 को निष्पादित हुआ है। परन्तु 1998 में प्रताप जी की मृत्यु हो जाने के कारण वादग्रस्त ग्रामि का विद्वेष फल निष्पादित नहीं होने से ग्रामि वादीगणों के नाम पर चली आ रही है। मैंने समयपक्ष के कथन तथा वाद पत्र एवं जवाबदावा को अवलोकन किया। वादग्रस्त 2.00 की छ ग्रामि रजिस्टर अरिलोखों में वादीगणों के </p>	

पदेन सहायक कलेक्टर का कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
छेत्र (भीलवादा)

पक्ष में राज्य रेगिस्ट्रार अलिखित है
ऐसी स्थिति में मानव वाद्य रेगिस्ट्रार
अभिपार वादीगणों का अधिकार
निहित होने के प्रतिवादी संख्या
01 द्वारा अर्थात्क दस्तावेज का
मान्यता प्रदान नहीं की जा सकती है।
प्रतिवादी संख्या 01 कापिल इकरार-
नामा दिनांक 02.10.1993 के संकेत
में चाराजो ही सक्षम न्यायालय में
पेश करने हेतु संकेत है। तथा उक्त
कापिल इकरारनामा का अर्थात्क
मान्यता मिलने के पश्चात ही
इस पर अपना मामला दफ्त
जता सकता है। अन्वया स्थिति में
प्रतिवादी संख्या 01 का कार-कार
दस्तावेजों को उत्पन्न करने का प्रवण
पूणतिमा अर्थात्क है।

अतः वादीगण का वाद्यपत्र कक्ष
वादीगण विरुद्ध प्रतिवादी संख्या 01
के स्वीकार किए जाने के आदेश
प्रदान किए जाने के साथ-साथ
मौला शिवपुर स्थित आराजी संख्या
4256/3038 संख्या 2.10 की धारा पर
अनिष्ट में प्रतिवादी संख्या 01 स्वयं

तारीख
हुक्म

न्यायालय उपखंड अधिकारी

पदेन सहायक क्लर्क या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
बरेilly (भीलवाड़ा)


110/17

वाद

अपवा किया अलग का ठिकाने पर रखे हुए
अपवाप्त रूप से दस्तावेजों की बही खाते
के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 188 R.T.A.
के तहत शपथ लिखे जायेंगे पत्रान की
जाती हैं। पत्रान पर लक्ष्यीकरण करके
को लिखा जावे। तानुसार डिडी मुक्ति
है।

पत्रान की दर्ज रजिस्टर के काम की
जाकर वे कर के काम है।

निधि में इजाजत शुभाभा प्राप्त है।


उपखंड अधिकारी पदेन
सहायक क्लर्क बरेilly

मूलवाद में डिक्री
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर
(पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कैम्प कोर्ट)

पीठासीन अधिकारी: रजनी माधवाम ^{इनयान}
मोहन गुजर वगैरे ^{बनाम}
दावा बाबत U/S 188 RT Act

मुकदमा नम्बर :- 110/17 रा. वा. 15

निर्णय दिनांक :- 11/6/18

वादी की ओर से स्वयं की व प्रतिवादी की ओर से प्रतिवादी मोहन व पत्नी

की उपस्थिति में इस वाद में अज्ञ तारीख 11/6/18 को रजनी माधवाम (नाम पीठासीन अधिकारी)

उपखण्ड अधिकारी करडी के समक्ष अन्तिम नियतों के लिये पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि-

~~वादी को वाद पत्र के लिये स्टाम्प देना है और प्रतिवादी को शक्ति पत्र के लिये स्टाम्प देना है।~~
~~स्वयं/स्वीडुर कि प्रमाण वे आदेश प्रदान कि प्रमाण वे~~
~~स्वयं-स्वयं प्रमाण कि प्रमाण वे आदेश प्रदान कि प्रमाण वे~~
~~उपरोक्त पर अन्तिम में प्रतिवादी स्वयं प्रमाण कि प्रमाण वे~~
~~प्रमाण वे पर आदेश एक अन्तिम रूप से प्रमाण वे प्रमाण वे~~
~~विषय U/S 188 RT Act वे तहत प्रमाण वे प्रमाण वे प्रमाण वे~~

यह आज तारीख 11/6/18 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

(रजनी)
अन्तिम गुजर पर अंकित

(रजनी)
पीठासीन अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलक्टर करडी

वाद के खर्चे

वादी		प्रतिवादी	
	रुपया		रुपया
1. वाद पत्र के लिए स्टाम्प		शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प	
2. शक्ति पत्र के लिए स्टाम्प		अर्जी के लिए स्टाम्प	
3. प्रदर्शों के लिए स्टाम्प		प्लीडर की फीस	
4. _____ रुपये पर प्लीडर की फीस		साक्षियों के निर्वाह व्यय	
5. साक्षियों के लिए निर्वाह-व्यय		आदेशिका की तामील	
6. कमिश्नर की फीस		कमिश्नर की फीस	
7. आदेशिका की तामिल			
जोड़		जोड़	

अनाम

- 1- श्रीमती देवी देवी जी० स्व० श्री प्रताप गुर्जर
नि० शिवपुर तह० करेण
 - 2- श्रीमंजीमाम जी० स्व० श्री प्रताप गुर्जर
 - 3- श्री कैलाश जी० स्व० श्री प्रताप गुर्जर
 - 4- मु० लाल पुत्री स्व० श्री प्रताप गुर्जर
 - 5- मु० उमा पुत्री स्व० श्री प्रताप गुर्जर
- सर्व निवा हीमान शिवपुर तह० करेण
— वादीगण —

वनाम

- 1- श्रीमो हनु पिता कसना गुर्जर नि० शिवपुर
तह० करेण
 - 2- राजेमान राज्य जािरपे तहसीलदार करेण
- प्रतिवकीगण —

————— ५ ————— ५ —————